हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 297 | प्रयागराज, शुक्रवार 10 फरवरी , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

विपक्ष ने बजट को बताया 'जनविरोधी' तो भाजपा ने गरीब, महिलाओं को समर्पित बताया

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने आम बजट को 'जनविरोधी' करार देते हुए वीरवार को कहा कि केंद्रीय बजट में भविष्य को लेकर कोई दृष्टिकोण नहीं है तथा मनरेगा सहित विभिन्न जन कल्याण योजनाओं के लिये आवंटन कम किया गया है। वित्त वर्ष 2023–24 के केंद्रीय बजट पर निचले सदन में हो रही चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष ने अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) से कराने की मांग भी की। वहीं, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गरीबों को पक्के मकान, मुफ्त राशन, रसोई गैस सहित आम लोगों के कल्याण की योजनाओं को प्रतिबद्धता के साथ बढ़ाया है और बजट का लाभ गांव, गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं सहित सभी वर्गों को मिल रहा है। चर्चा में हिस्सा लेते हुए तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय ने कहा कि इस बजट में भविष्य को लेकर कोई दृष्टिकोण नहीं है। यह अवसरवादी और जनविरोधी बजट है। रॉय ने आरोप लगाया कि कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल की उपेक्षा कर रही है, राज्य के लिए मनरेगा की राशि जारी नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि मनरेगा का पैसा तत्काल जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो भी रेल परियोजनाएं हैं उन्हें पूरा किया जाना चाहिए। रॉय ने अडाणी समूह से जुड़े मामले के संदर्भ में कहा कि सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) को इसकी जांच करनी चाहिए। वहीं, भाजपा के सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने गरीबों को पक्के मकान, मुफ्त राशन, रसोई गैस सहित आम लोगों के कल्याण की योजनाओं को प्रतिबद्धता के साथ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पोषण अभियान का ही परिणाम है कि देश एनीमिया मुक्ति की दिशा में बढ़ रहा है और बजट में कृषि क्षेत्र को पर्याप्त तवज्जो दी गई है। गुप्ता ने कहा कि सरकार गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा का प्रबंध करने के साथ नवाचार, स्टार्टअप की रणनीति लाई, जिसका लाभ देश को मिल रहा है। भाजपा सदस्य ने कहा कि अगर स्वास्थ्य क्षेत्र की ही बात करें तब इस बार बजट में इस क्षेत्र को 86,200 करोड़ रूपये दिये गए हैं जो वर्ष 2012–13 में 37 हजार करोड़ रूपये था। गुप्ता ने कहा कि सरकार के इन प्रयासों का लाभ गांव, गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं सहित सभी वर्गों को मिल रहा है। चर्चा में हिस्सा लेते हुए शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बर्णे ने कहा कि यह समावेशी बजट है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार ने लक्षित लाभों के सार्वभौमीकरण के साथ ही कई योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट मोदी सरकार के अब तक के कार्यकाल का सबसे अच्छा बजट है जिसमें सभी वर्गों पर ध्यान दिया गया है। जदयू के महाबली सिंह ने कहा कि हर साल सरकारें बजट पेश करती हैं, लेकिन आजादी के बाद से आज तक देश के करोड़ों लोगों की तस्वीर नहीं बदली है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को केंद्र सरकार से इस बजट में राज्य को विशेष दर्जा दिये जाने की पुरानी मांग पूरी होने की उम्मीद थी। सिंह ने कहा कि देश में जातीय जनगणना कराई जानी चाहिए और जातियों की आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी तय की जानी चाहिए।

भारतीय सीमा में फिर पाक ड्रोन की घुसपैठ तालाशी अभियान जारी

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बार फिर ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार भेजने की पाकिस्तान की साजिश को नाकाम कर दिया। पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर घुसे एक पाकिस्तानी ड्रोन को जवानों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर खदेड़ दिया।

बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि बुधवार रात करीब 9.40 बजे पंजाब के गुरदासपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को गोलीबारी कर खदेड़ा दिया गया। जानकारी के मुताबिक गश्त के दौरान गुरदासपुर सेक्टर के अदिया बीओपी पर बीएसएफ के जवानों को एक पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते दिखा। इसके बाद जवानों ने ड्रोन पर तकरीबन 16 राउंड गोलीबारी की और रोशनी करने वाले बम भी चलाए। कुछ देर में ही ड्रोन गोलीबारी के चलते फेंसिंग के ऊपर से ही पाकिस्तान की तरफ वापस चला गया। घटना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई और इलाके में इस वक्त भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

नीरव मोदी के बहनोई की हांगकांग यात्रा पर 4 हफ्ते में फैसला करेगा बंबई हाईकोर्ट, एससी ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के बहनोई मैनक मेहता को हांगकांग जाने की अनुमति दिए जाने के खिलाफ दायर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका बंबई उच्च न्यायालय को बृहस्पतिवार को वापस भेज दी। न्यायालय ने इस मामले में अदालत से चार सप्ताह में नए सिरे से फैसला सुनाने को कहा। नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में आरोपी है। सीबीआई का आरोप है कि मेहता ने पीएनबी धोखाधड़ी मामले में बड़ी मात्रा में हेराफेरी की राशि को अपने व अपनी पत्नी के बैंक खाते में भेज दिया था। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा एवं न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि सीबीआई और मेहता दो सप्ताह की अवधि के भीतर उच्च न्यायालय में अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल कर सकते हैं और उसके बाद दो सप्ताह के भीतर याचिका पर फैसला किया जाएगा। न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि मेहता की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने सीबीआई को मेहता के दो विदेशी बैंक खातों के विवरण हासिल करने और उनकी जांच करने के लिए ''अधिकार पत्र'' देने पर सहमति व्यक्त की है। सीबीआई ने अपने निदेशक, बैंकिंग सुरक्षा धोखाधड़ी शाखा, मुंबई के मार्फत बंबई उच्च न्यायालय के 23 अगस्त 2022 के आदेश को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने मेहता को हांगकांग की यात्रा करने और वहां तीन महीने रहने की अनुमति दी थी। उच्च न्यायलय ने मुंबई के विशेष सीबीआई न्यायाधीश का आदेश बरकरार रखा था और सीबीआई द्वारा मेहता के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर खारिज कर दिया था और उसे हांगकांग जाने की अनुमति दी थी। मेहता ब्रितानी नागरिक है और वह अपने परिवार के साथ हांगकांग में रहता है। वह मुंबई की अदालत के समक्ष पेश होने के लिए आठ सितंबर, 2021 को भारत आया था।

आप के जैस्मीन शाह की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट 15 मार्च को करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उपराज्यपाल (एलजी) वी.के. सक्सेना के दिल्ली संवाद और विकास आयोग (डीडीसी) के उपाध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और कार्यालय से जुड़े किसी भी विशेषाधिकार और सुविधाओं का उपयोग करने से रोकने का निर्णय करने के मामले सुनवाई के लिए 15 मार्च की तारीख तय की है। शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नैयर ने कहा कि पूरी शक्ति विधान सभा के पास है और नियुक्ति और हटाने की शक्ति केवल मुख्यमंत्री के पास है। ट्रांजैक्शन ऑफ बिजनेस (संशोधन) नियमों का जिक्र करते हुए नायर ने कहा, मुख्यमंत्री या उनके वकीलों के संदर्भ में उपराज्यपाल को नियमों का पालन करना चाहिए। नैयर द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर ध्यान देने के बाद अदालत ने मामले में प्रतिवादियों को 6 मार्च तक लिखित प्रस्तुतियां दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले को 15 मार्च को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन की अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2023 को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और एलजी सक्सेना के बीच शाह को डीडीसीडी के अध्यक्ष पद से हटाने पर आम सहमति के अभाव में मामला राष्ट्रपति के पास भेजा गया है। अदालत को यह भी बताया गया कि उपराज्यपाल ने अनुच्छेद 239एए के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिया है कि शाह को डीडीसीडी कार्यालय में तब तक प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक राष्ट्रपति इस मुद्दे पर फैसला नहीं लेते। एलजी ने जवाब में कहा था कि जब तक राष्ट्रपति इस मामले पर फैसला नहीं सुनाते, तब तक पार्टियों के लिए आगे कोई कार्रवाई नहीं करना समझदारी होगी। 28 नवंबर, 2022 को शाह द्वारा सक्सेना के कार्यों को चुनौती देने के बाद उच्च न्यायालय ने एलजी से जवाब मांगा था।

दक्षिण अफ्रीका से 16 चीते और लाये जाएंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी महीनों में 14 से 16 चीतों को भारत लाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार वन्यजीव संरक्षण और संवहनीयता के लिए समग्र प्रयास कर रही है। भावी पीढ़ियों के लिए प्रकृति को बचाने की जरूरत पर जोर देते हुए मंत्री ने यह भी कहा कि किसी वस्तु का इस्तेमाल करने के बाद उसे कचरे के रूप में फेंकने वाले मॉडल के लिए अब कई जगह नहीं है। सिंधिया ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण और उनका विकास सुनिश्चित करना हमारी परंपरा और हमारी निधि ा का एक अहम हिस्सा है ताकि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए उसे अक्षुण्ण बनाए रख सकें और उसे आगे बढ़ा सकें। बीते करीब नौ साल में सरकार की वन्यजीव संरक्षण पहलों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए सिंधिया ने कहा कि आने वाले महीनों में 14 से 16 और चीते भारत लाए जा सकते हैं। फिलहाल, सरकार चीता परियोजना के दूसरे चरण पर काम कर रही है और उसने दक्षिण अफ्रीका के साथ समझौता किया है। चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाया जाएगा। चीता परियोजना के तहत, आठ चीतों को नामीबिया से हवाई मार्ग से भारत लाया गया था।

जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही खिलेगा : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अडाणी समूह से जुड़े मामलों पर विपक्षी दलों के आरोपों के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि उनके ऊपर जितना कीचड़ उछाला जाएगा, कमल उतना ही खिलेगा। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने यह बात कही। 'कमल केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनाव चिह्न है। प्रधानमंत्री ने जैसे ही जवाब देना आरंभ किया वैसे ही कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्य आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे। सदस्यों की नारेबाजी के बीच मोदी ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने महत्वपूर्ण सदन में कुछ लोगों का व्यवहार, कुछ लोगों की वाणी ना सिर्फ सदन को बल्कि देश को निराश करने वाली रही है। उन्होंने कहा, 'इस प्रकार की प्रवृत्ति के सदस्यों को मैं यही कहूंगा 'कीचड़ उसके पास था, मेरे पास गुलाल। जो भी जिसके पास था, उसने दिया उछाल। अच्छा ही है। जितना कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही ज्यादा खिलेगा। मोदी ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि इसलिए कमल खिलाने में उनका भी प्रत्यक्ष व परोक्ष योगदान है। उन्होंने कहा, 'इसके लिए मैं उनका भी आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि कांग्रेस ने साठ सालों में देश में मजबूत बुनियाद रखी और मोदी उसका श्रेय ले रहे हैं। मोदी ने कहा कि जब 2014 में वह देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्हें नजर आया कि 60 साल में 'कांग्रेस के परिवारश ने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए हैं। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि उनका इरादा नेक होगा, लेकिन उन्होंने गड्ढे ही गड्ढे कर दिए हैं। जब वह गड्ढे खोद रहे थे छह–छह दशक बर्बाद कर दिए थे उस समय दुनिया के छोटे–छोटे देश भी सफलता के शिखरों को छू रहे थेकृ आगे बढ़ रहे थे। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्षी सदस्य अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित किए जाने की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

कांग्रेस सांसद का लोकसभा में नोटिस, पीएम की अदानी के साथ विदेश यात्राओं की मांगी जानकारी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब देने के एक दिन बाद कांग्रेस सांसद मनिक्कम टैगोर ने गुरुवार को लोकसभा में स्थगन नोटिस देकर अदानी के साथ प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगा। नोटिस में कहा गया है, उद्योगपति गौतम अदानी के साथ प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा और विदेशी टेंडर्स में ग्रुप को मिलने वाले लाभ पर चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने बुधवार को भारत को कमजोर बताने पर विपक्ष पर हमला बोला और कहा कि देश ताकतवर हो गया है और दूसरे देशों पर दबाव बना रहा है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी चर्चा की मांग करते हुए चीन–वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) मुद्दे पर स्थगन नोटिस दिया। नोटिस में उन्होंने कहा, अप्रैल 2020 से चीन लगातार जमीन हड़पने में लगा हुआ है। 16 जनवरी 2023 तक भारत और चीन के बीच कमांडर स्तर की 17 दौर की वार्ता हो चुकी है, जिसमें बहुत कम सफलता मिली है। इस दौरान चीन अपने सैनिकों के लिए पुलों, सड़कों और आवास सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जारी रखे हुए है। चीन एकतरफा तरीके से यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश में तवांग सेक्टर में झड़पें चीन की स्थिर आक्रामकता का एक और संकेत हैं। इस तरह की आक्रामकता अब क्षेत्रीय दायरे तक सीमित नहीं है, जैसा कि संघर्ष स्थल से लगभग 2000 किलोमीटर दूर अरुणाचल प्रदेश में हुई झड़पों से जाहिर होता है।

अडाणी मामला: हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट उद्योगपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले कारोबारी समूह पर 'हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की जांच के लिए शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में समिति का गठन करने के वास्ते केंद्र को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। अधिवक्ता विशाल तिवारी ने प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की एक पीठ से मामले को तुरंत सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। उन्होंने पीठ से अनुरोध किया कि उनकी याचिका पर मामले में दर्ज अन्य याचिकाओं के साथ शुक्रवार को सुनवाई की जाए। अधिवक्ता तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका में बड़े कारोबारी घरानों को दिए गए 500 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण के लिए मंजूरी नीति की निगरानी को लेकर एक विशेष समिति गठित करने के बारे में भी निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। शीर्ष अदालत में पिछले हफ्ते वकील एम. एल. शर्मा ने एक याचिका दायर की थी, जिसमें अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च के नाथन एंडरसन और भारत तथा अमेरिका में उनके सहयोगियों के खिलाफ कथित रूप से निर्दोष निवेशकों का शोषण करने और अडाणी समूह के शेयर के मूल्य को 'कृत्रिम तरीके से गिराने के लिए मुकदमा चलाने की मांग की गई थी। 'हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अडाणी समूह पर फर्जी लेनदेन और शेयर की कीमतों में हेरफेर सहित कई गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद समूह की कंपनियों के शेयर की कीमतों में भारी गिरावट आई है। अडाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह सभी कानूनों और सूचना सार्वजनिक करने संबंधी नीतियों को पालन करता है।

पीएमएमवाई के तहत पिछले 9 वर्षों में 37 करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित हुए : भाजपा नेता

पटना। बिहार में भाजपा के आईटी सेल के राज्य संयोजक मनन कृष्णा ने गुरुवार को पटना में कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 37,76,05,305 लोगों को ऋण दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जद(यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के बयान के जवाब में मनन कृष्णा ने यह बयान दिया है। ललन सिंह ने युवाओं के लिए 2 करोड़ रोजगार सृजित करने के वादे को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा था। मनन कृष्णा ने कहा कि ललन सिंह का कहना है पिछले 9 सालों में 18 करोड़ नौकरियां हुईं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि पीएमएमवाई योजना के तहत 37 करोड़ से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए हैं और उनका कारोबार फल–फूल रहा है। वे न केवल अपने लिए कमाने में लगे हैं बल्कि दूसरों को रोजगार भी दे रहे हैं। केंद्र सरकार ने लगातार कहा है कि वह 2 करोड़ नौकरियां पैदा करेगी, और केवल मुद्रा योजना के तहत दोगुने से अधिक दिया है। कृष्णा ने कहा, केंद्र सरकार ने 79,648 स्टार्टअप्स को भी मान्यता दी है, जिनमें लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, आत्मनिर्भर भारत के तहत कर्ज लेकर कुल 46 लाख लोगों ने अपना कारोबार शुरू किया किया है। इसके अलावा देश में 5.31 लाख कॉमन सर्विस सेंटर भी खोले गए हैं। ये सभी रोजगार देने की श्रेणी में आते हैं। केंद्र ने इस साल 10 लाख नौकरियां देना भी शुरू कर दिया है। रोजगार भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में औसतन 15 लाख नए खाते (यूएएन) खोले गए। पिछले साल अक्टूबर में 12.94 लाख, सितंबर में 15.42 लाख, अगस्त में 16.94 लाख, जुलाई में 18.23 लाख, जून में 18.36 लाख, मई में 16.82 और पिछले साल अप्रैल में 17.08 लाख लोग ईपीएफओ से जुड़े। कृष्णा ने कहा, ललन सिंह ने देश के प्रत्येक व्यक्ति को 15 लाख रुपये पर एक सवाल भी पूछा, मैं ललन सिंह को चुनौती देना चाहता हूं कि वह पीएम मोदी के 15 लाख रुपये के बयान को मीडिया में जारी करें या उनके खिलाफ टिप्पणी करने के लिए माफी मांगें। रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सिंह ने पीएम मोदी पर दो करोड़ नौकरियों और हर व्यक्ति के व्यक्तिगत खाते में 15 लाख रुपये की नकदी पर प्रतिक्रिया देने का आरोप लगाया था।

सम्पादकीय

कांग्रेस और भाजपा के लक्ष्य का फर्क

वैसे तो कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच कई मामलों में बड़ा फर्क है लेकिन जब चुनाव की बात आती है तो लक्ष्य तय करने के मामले में दोनों में जमीन आसमान का अंतर दिखता है। कांग्रेस कभी भी बहुत बड़ा या महत्वाकांक्षी लक्ष्य नहीं तय करती है, जबकि भाजपा हमेशा बड़ा लक्ष्य तय करती है। कई बार उसे हासिल भी कर लेती है। लेकिन ऐसा नहीं है कि लक्ष्य हासिल नहीं हुआ तो उससे हतोत्साहित होकर पार्टी ने अगली बार लक्ष्य छोटा कर दिया। अगली बार उससे भी बड़ा लक्ष्य रखा जाता है। मिसाल के तौर पर भाजपा ने अगले लोकसभा चुनाव में चार सौ सीट जीतने का लक्ष्य रखा है, जबकि कांग्रेस का लक्ष्य अपनी सीटों को दोगुना करने भर का है।भाजपा ने मिशन चार सौ के लिए काम भी शुरू कर दिया है। अपनी जीती हुई 303 लोकसभा सीटों के अलावा पार्टी ने 160 और सीटों की पहचान की है, जहां वह पिछली बार दूसरे या तीसरे नंबर पर रही थी या उस समय की उसकी सहयोगी पार्टी ने वह सीट जीती थी। इन 160 सीटों पर पार्टी ने केंद्रीय मंत्रियों की जिम्मेदारी लगाई है। हर मंत्री के जिम्मे तीन या चार सीटें हैं। इसके अलावा इन सीटों पर राज्यसभा के सांसदों को खासतौर से जिम्मा दिया गया है। साथ ही पार्टी ने एक लाख कमजोर बूथ की पहचान की है, जहां अलग से काम हो रहा है। बूथ मजबूत करने के लिए पन्ना प्रमुख बढ़ाए जा रहे हैं। अब मतदाता सूची के हर पन्ने के लिए दो प्रमुख नियुक्त करने की चर्चा है।ध्यान रहे भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 273 सीट जीतने का लक्ष्य रखा था। उस समय तक भाजपा को पहले कभी पूर्ण बहुमत नहीं हासिल हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1998 और 1999 में पार्टी को अधिकतम 183 सीटें मिली थीं। इसलिए 273 का लक्ष्य बहुत बड़ा था, जिसे पार्टी ने हासिल कर लिया। उसे 2014 में 284 सीटें मिलीं। इसके बाद 2019 के चुनाव में लक्ष्य बढ़ा कर तीन सौ सीट का कर दिया गया। सारी पार्टियां और राजनीतिक जानकार इसका मजाक उड़ा रहे थे क्योंकि उनको लग रहा था कि इस बार भाजपा की सीटें घटेंगी पर उसने 303 सीटें जीत लीं। इस बार उसने चार सौ सीटों का लक्ष्य रखा है और उसे हासिल करने का प्रयास शुरू कर दिया है।

दूसरी ओर कांग्रेस व अन्य प्रादेशिक पार्टियों का लक्ष्य बहुत छोटा है। कांग्रेस का लक्ष्य अपनी मौजूदा सीटों की संख्या को दोगुन करने का है। अभी उसके पास 52 सीटें हैं और पार्टी के नेताओं का मानना है कि वे बहुत खुश हो जाएंगे, अगर सीटों की संख्या एक सौ पार कर जाए। यानी तीन अंक में पहुंच जाए। इसी को ध्यान में रख कर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा हुई है। कांग्रेस की यात्रा जिन 14 राज्यों से गुजरी है उन राज्यों में भाजपा को अपनी सीटें बचानी हैं या बढ़ानी हैं। उसकी मिली ज्यादातर सीटें उन्हीं राज्यों में हैं। अन्य विपक्षी पार्टियों का लक्ष्य तो और भी छोटा है। वे अपने जीतने की बजाय इस प्रयास में लगे हैं कि भाजपा की 50–60 सीटें कम कर देनी हैं ताकि उसको बहुमत न मिले।

समान नागरिक संहिता : भारतीय परिवेश में है जरूरी

भारत में हिंदू स्त्रियों की स्थिति 200 वर्ष पहले दयनीय थी। पंडिता रमाबाई ने कहा था भारत तब तक तरक्की नहीं कर सकता और संसार के देशों में कोई स्थान नहीं बना सकता जब तक कि हिंदू घरों में हिंदू स्त्रियां जो मां भी है, की स्थितियां नहीं सुधरती। बच्चियों को बालपन में शादी कर उपेक्षा के अंधकार में ढकेल दिया जाता है। इसके साथ ही अपने मातृ कर्तव्यों के बारे में अनजान, खासकर सामान्य पोषण संबंधी नियमों से अनजान और ज्यादा निम्नस्तर को प्राप्त होती हैं। यह याद रखना होगा कि वह भी एक लड़की है तथा बच्चे को जन्म देकर मां बनती है। 14–15 की उम्र में उससे यह आशा नहीं की जा सकती कि वह अपने बच्चों का सही ढंग से पालन कर सकेगी। हम देख रहे हैं कि हिंदू रीति–रिवाजों एवं कानून में निरंतर सुधार हुआ है। सती प्रथा, बाल विवाह का विरोध हुआ है। कानून में भी आवश्यक बदलाव कर लड़कियों को जकडनों, बंधनों से मुक्त किया गया है। आज उनके विवाह की उम्र क्रमशरू बढ़ाकर 18–21 वर्ष की गई है, मुफ्त शिक्षा का उपहार दिया गया है।

हिंदू विवाह अधिनियम 1955 में बदलाव लाया गया और लड़कियों की उम्र बढ़ाकर 18 वर्ष लड़कों के विवाह उम्र 21 वर्ष की गई और भी बहुत से बदलाव विवाह एवं तलाक के कानूनों में किए गए। इस कारण, आज उनकी स्थिति, शक्ति, आत्मसम्मान में काफी परिवर्तन हुआ है। ठीक इसी तरह मुस्लिम कानून में, स्त्रियों के लिहाज से परिवर्तन आज की मांग है। 1990 के दशक में भी इसकी जरूरत समझी जा रही थी। मैंने खुद एप्वा सीपीएमएल की महिला विंग की कार्यकर्ताओं के साथ एक प्रश्नावली, बनाकर पटना का भ्रमण किया था। मैंने बल्ब बनाने वाली महिला से लेकर डॉक्टर तक का इंटरव्यू लिया। सवाल थे– क्या उन्हें पढना, बाहर काम करना पसंद है, क्या वे पति की अकेली पत्नी बनकर रहना चाहती हैं, क्या उन्हें तीन तलाक की प्रक्रिया पसंद है, क्या उन्हें संपत्ति में अधिकार पसंद है, क्या तलाक के बाद मुआवजा या भरण–पोषण का अधिकार चाहिए आदि। करीब–करीब सभी ने यही कहा– हां पसंद है पर मजहब की पाबंदियों के कारण कुछ कह नहीं सकती। आज इन बहनों को भी इन जकडनों से निकलते की जरूरत है। शादी की उम्र अभी महज 15 वर्ष है। इतनी सी उम्र में शिक्षा मुश्किल से 10 क्लास हो सकती है और नौकरी कर अपने पांवों पर खड़े होने का सवाल ही नहीं उठता। यहां विवाह एक कांट्रेक्ट की तरह है जिसे कभी भी तोड़ा जा सकता है। पर यहां भी पुरुष को अधिक अधिकार दिए गए हैं।

मुहम्डन कानून की धारा 251 (2) के अनुसार पागलों और नाबालिगों (लड़का–लड़की) का विवाह उनके अभिभावक द्वारा 15 वर्ष से कम में भी हो सकता है। इसी कानून के अनुसार एक मुस्लिम लड़के का विवाह तोड़ा जा सकता है यदि उसकी सहमति विवाह पर नहीं है। इसके अलावा तलाक के नियम भी पुरुषों के अलग और स्त्रियों के अलग हैं। उन्हें तलाक के बाद मासिक भत्ता देने का रिवाज नहीं है। यह सिर्फ इद्दत भर है यानी तलाक देने से तीन महीनों तक। इसके अलावा स्त्री एक शादी कर सकती है जो कि ठीक है। पर पुरुष एक ही समय में 4 विवाह कर सकता है, और एक ही घर में रख सकता है और यदि वह पांचवां विवाह भी कर लेता है तो यह गैर कानूनी या गैर धार्मिक नहीं है, बस अनियमित है। ऐसी व्यवस्था में हर एक स्त्री को पति पर एकाधिकार नहीं होता जो उसे खुशी प्रदान कर सके। इसके अलावा शिया कानून में दो तरह के विवाह होते हैं– परमानेंट और मुता विवाह यानि अस्थाई।

एक शिया मुस्लिम, किसी भी धर्म की स्त्री यथा मुस्लिम, ईसाई, यहूदी या पारसी के साथ अस्थाई विवाह कर सकता है, पर किसी और धर्म वाली के साथ नहीं। पर एक शिया स्त्री किसी गैर मुस्लिम के साथ मुता निकाह नहीं कर सकती। इसमें शारीरिक संबंध एक तय अवधि के लिए बनाया जा सकता है। यह अवधि एक दिन, एक महीना, एक वर्ष या डावर यानी मुआवजा देना जरूरी है। इसमें यौन संबंध की अवधि तथा श्डावरय दोनों ही तय होने चाहिए। स्त्री पुरुष में यह भेदभाव स्त्रियों की खुशी उन्नति, शारीरिक सुरक्षा, समाज, देश में उसकी भागीदारी को आहत करती है। इसी प्रकार भारत में हर धर्म, संप्रदाय में यथा ईसाई, पारसी, हिंदू, आदिवासी सभी में स्त्रियों के अधिकार की दृष्टि से एक ही नागरिक संहिता होनी चाहिए। देश की आधी जनसंख्या यदि संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों से वंचित रहे तो उसकी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक संपदा, लाभ से राष्ट्र वंचित रहता है। ऐसा देश दुनिया के प्रगतिशील देशों की दौड़–विकास की तुलना में पीछे हो जाता है।

इसका असर राजनीतिक तो है ही सामाजिक भी है। जिस दिन महिलाएं अपनी सशक्त उपस्थिति देश की संसद, विधानसभा, पंचायत, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, व्यापार में बराबरी से दर्ज कराएंगी तो देश अत्यंत ही सशक्त संतुलित और अहिंसक होगा। सामाजिक तौर पर शिक्षित, बालिग स्त्रियां आर्थिक रूप से मजबूत, बच्चों के पालन में संतुलित, जागृत होगी। कहा भी जाता है एक शिक्षित मां कई बच्चों की एक मजबूत आधारशिला होती है जिसके बच्चे परिपक्व और समझदार होते हैं। देश राजनैतिक परिवेश और घर समाज की समुचित उन्नति के लिए समान नागरिक संहिता अत्यंत ही आवश्यक है।**–कमलेश जैन**

आज का राशिफल

मेष :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। बिरोधियों प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयाँ संभव। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

बृषभ :– रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

मिथुन :– दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीन भावना ना पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव।

कर्क :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित ना हों।

सिंहः– नाजुक सम्बन्धों मे भावनात्मक ताल–मेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

कन्या :– पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दूसरो की आलोचना का अपने मनोबल पर असर ना पड.ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशां में परिश्रम तीब्र होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

वृश्चिकः– आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित होगा, अत इसे सुधारें। नैतिक–अनैतिक सोचने वाला मन भौतिक परिवेश ताल–मेल बिठाने में असमर्थ होगा।

धनु :– दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नही देता और निर्थक दूसरों की आलोचना भी ठीक नही है। परिवारिक सम्बन्धों कटुता दुश्मनी जैसा ना बननें दें।

मकर :– अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता के योग है।

कुंभ :– कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना ना करें। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें।

डंडे से समाज सुधार

सरमा को खुद से पूछना चाहिए कि मध्य और समृद्ध वर्ग के परिवारों में बाल विवाह क्यों नहीं होते? जिन समस्याओं का संबंध सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से है, उनका हल डंडे के जोर से ढूंढना एक अतार्किक नजरिया है।

हर भावनात्मक और सामाजिक मामले को सियासी हथियार बनाने का भारतीय जनता पार्टी का उत्साह इतना ज्यादा है कि इसके फौरी और दीर्घकालिक दुष्परिणामों की वह तनिक भी फिक्र नहीं करती है। उसका यह उत्साह फिलहाल असम में देखने को मिल रहा है, जहां के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा उग्रता की होड़ में आगे निकलने का कोई मौका नहीं चूकते। अब उन्होंने बाल विवाह रोकने के नाम पर असम एक बड़ी सामाजिक समस्या खड़ी कर दी है। सैकड़ों कमउम्र लड़कियों का इस वजह से भविष्य खतरे में पड़ गया है, क्योंकि उनके नव–विवाहित पतियों को जेल भेज दिया गया है। इस तरह जो लोग अज्ञान, गरीबी और पारंपरिक पिछड़ेपन के शिकार हैं, उन्हें ही इसकी सजा भुगतने को भी कहा जा रहा है। क्या यह प्रश्न इस मौके पर नहीं उठाया जाना चाहिए कि अगर सरकारों ने संवैधानिक वायदे के मुताबिक सबकी शिक्षा और सबके जीवन स्तर में सुधार को सुनिश्चित किया होता, तो आज लाखों कमउम्र लड़के–लड़कियां उस सपने से वंचित नहीं होते, जिसकी वजह से वे छोटी उम्र में विवाह का बोझ उठाने को तैयार हो जाते हैं? सरमा को खुद से पूछना चाहिए कि मध्य और समृद्ध वर्ग के परिवारों में बाल विवाह क्यों नहीं होते?

जिन समस्याओं का संबंध सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से है, उनका हल डंडे के जोर से ढूंढना एक अतार्किक नजरिया है। गौरतलब है कि असम सरकार ने राज्य में होने वाले ष्बाल विवाह, प्रसव के दौरान माताओं और नवजात शिशुओं की ऊंची मृत्यु दर पर अंकुश लगाने के लिएष अभियान चलाया है। इसके तहत 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ पोक्सो अधिनियम और 14 से 18 साल तक की उम्र वाली लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम– 2006 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम सरकार राज्य में बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए कृतसंकल्प है।

तुलसी रामायण पर विवाद

बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्रशेखर एवं समाजवादी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिन्दू धर्म की आस्था को आहत करने वाले बयान दिये हैं, तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर उन्होंने घटिया, सिद्धान्तहीन एवं हास्यास्पद टिप्पणी करके धर्म–विशेष की आस्था को आहत करते हुए विवाद को जन्म दिया है । हालांकि सपा ने मौर्य की इस टिप्पणी से खुद को यह कहते हुए अलग कर लिया है कि यह उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी है ।

रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर कृति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं। आखिर बहुसंख्य हिन्दू समाज कब तक सहिष्णु बन ऐसे हमलों को सहता रहेगा? कब तक श्सर्वधर्म समभावश के नाम पर बहुसंख्य समाज ऐसे अपमान के घूंट पीता रहेगा? राजनीतिक दलों में एक वर्ग–विशेष के प्रति बढ़ते धार्मिक उन्माद पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि अभी यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। रामचरितमानस हिन्दू धर्म के अनुयायियों का सर्वोच्च आस्था ग्रंथ है। करोड़ों लोग इस ग्रंथ का हर दिन स्वाध्याय करते हैं। मौर्य ने इस ग्रंथ को लेकर सरकार से दुर्भाग्यपूर्ण एवं हास्यास्पद यह मांग कर दी है कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना को ही पाबंद कर दिया जाये। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह, किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। भले ही यह विवाद बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से शुरू हुआ कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी । इसके पक्ष–विपक्ष में लंबी–चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं।

लेकिन सैंकड़ों वर्षों से घर–घर में मन्दिर की भांति पूजनीय यह कोरा ग्रंथ नहीं है बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूल्यों की पाठशाला है। रामचरितमानस में भले रामकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीराम के चरित्र के माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। रामचरितमानस भारतीय संस्कृति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपितु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान् ग्रन्थ भी है। यह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है। रामचरित मानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है।विडम्बना है कि राजनेता इस बात की कतई परवाह नहीं करते कि उनके शब्दों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ेगा रामचरित मानस पर तथाकथित प्रगतिशील पहले भी अधकचरी टिप्पणियां करते रहे हैं लेकिन इससे इस ग्रंथ की सर्वस्वीकार्यता, प्रतिष्ठा एवं चरितमानस उपयोगिता पर कोई असर नहीं पड़ा, न ही गोस्वामी तुलसीदास के प्रति लोगों की श्रद्धा कम हुई ।**–अजय दीक्षित**

महंगे दूध की कसक

हाल के दिनों में दूध के दामों में लगातार वशद्धि आम लोगों की परेशानी बढ़ाने वाली है। मूल रूप से शाकाहारी भारतीयों के खाने–पीने में दूध की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। छोटे बच्चे से लेकर वश्द्धों तक के लिये दूध अपरिहार्य आहार ही है। स्वस्थ से लेकर बीमार तक , लोगों का जीवन बिना दूध के अधूरा है। ऐसे में दूध की कीमतों में वशद्धि आम लोगों का बजट बिगाड़ देती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दूध के कारोबार में बड़ी व सहकारी कंपनियों की खासी दखल रही है। अब इस क्षेत्र की बड़ी कंपनियां कीमतों की नियामक बन गई हैं। ऐसी स्थिति में कई भारतीयों के लिये दूध खरीदना टेढ़ी खीर बनती जा रही है। अधिकांश दिल्ली में दूध की सप्लाई करने वाली मदर डेरी ने गत दिसंबर में दूध के दाम में दो रुपये लीटर की वशद्धि की थी, जिसे बीते साल में दामों में हुई पांचवीं वशद्धि बताया गया। इसके बाद अब दूसरी बड़ी सहकारी दूध कंपनी अमूल ने तीन रुपये प्रति लीटर दाम बढ़ा दिये हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गुजरात की इस कंपनी ने नवंबर में भी दूध के दाम बढ़ाए थे। उपभोक्ताओं द्वारा सवाल अमूल की दोहरी कीमत नीति को लेकर भी उठाये जाते रहे हैं कि क्यों गुजरात व शेष देश में कीमतों में अंतर होता है? क्या इसके राजनीतिक निहितार्थ हैं? किसी उत्पाद की राष्ट्रीय स्वीकार्यता के आलोक में इसे देखा जाना चाहिए। वैसे तो देश भर में दूध के दामों में वृद्धि के मूल में मांग व आपूर्ति का असंतुलन बताया जाता रहा है। गाय–भैंस के चारे के दामों में वृद्धि ने भी दूध उत्पादकों का मुनाफा कम किया है। जहां महंगाई की मार चारे पर पड़ी है, वहीं खेती के ट्रेंड में आये बदलाव से अब तक सहज उपलब्ध चारा मुश्किल से मिलता है। पहले जो पराली आदि पालतू जानवरों के लिये सहज उपलब्ध थी, उसे किसान अब खेतों में यूं ही जला देते हैं। वैसे जहां कंपनियां दूध के दामों में वृद्धि के पीछे लागत में वृद्धि बता रही हैं, वहीं मांग व आपूर्ति का असंतुलन भी दाम बढ़ने का बड़ा कारक है। खेती–पशुपालन के प्रति नई पीढ़ी का घटता रुझान और खेती योग्य जमीन के बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उद्देश्य, भवन निर्माण व अन्य कार्यों के लिये इस्तेमाल से कृषि भूमि का संकुचन हुआ है। जिसका असर पशुपालन पर भी हुआ है। बताते हैं कि आम भारतीय के खाने पर होने वाले मासिक खर्च का बीस फीसदी दूध व उसके उत्पादों पर होता है। गांवों के मुकाबले शहरों में दूध की उपलब्धता में कमी के चलते यह खर्च बढ़ जाता है। यूं तो पिछले दशक में समाज के हर वर्ग में दूध व उसके उत्पादों का उपयोग बढ़ा है,लेकिन उस अनुपात में आपूर्ति नहीं बढ़ी। पिछले दिनों कई राज्यों में लंपी रोग से लाखों गायों के मरने का भी दूध की आपूर्ति पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। वहीं भैंसों में मुंह–खुर रोग का असर देखा गया है। बहरहाल, उत्पादन में कमी के बावजूद बाजार में दूध, उससे बने उत्पादों तथा मिठाइयों में कोई कमी नजर नहीं आती। ऐसे में सवाल उठता है कि बाजार में दूध की बहार कैसे है? कैसे आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना हुआ है? क्या इसमें बड़ी भूमिका रासायनिक व मिलावटी दूध की है? वैसे भी जिस पैमाने पर दूध की जांच जिम्मेदार विभाग द्वारा की जानी चाहिए थी, वह नहीं हो रही है। निगरानी करने वाले तंत्र की पांचों उंगलियां घी में रहती हैं और कृत्रिम दूध आपूर्ति करने वालों की पौ–बारह। वहीं दुग्ध उत्पादक लगातार चारे की मुद्रास्फीति की बात कहते रहे हैं। वैसे सरकारों के स्तर पर दूध उत्पादन बढ़ाने और इस दिशा में शोध–अनुसंधान को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। ऐसे में सवाल है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी होने की ओर बढ़ रहे देश के लिये दूध की सामान्य आपूर्ति हो सकेगी? सरकार को यथाशीघ्र ऐसे कदम उठाने होंगे कि दुग्ध उत्पादकों को सही कीमत मिल सके और उपभोक्ता को गुणवत्ता का दूध।

विनोबा भावे : बापू के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी

वे समर्पण की नजीर थे। पूर्णतः एकनिष्ठ। किसी भी तरह के संशय से परे। अविचल और अडिग। चरैवेति के मंत्र को उन्होंने जीवन में उतार लिया था। उन्होंने अपने पांवों से इस महादेश को ओरछोर नापा। भाषाएं उनके चेरी थीं। कंठ में सरस्वती। प्रसिद्धि की चाह नहीं। आवश्यकताएं कम से कमतर। गीता पर अपूर्व और अनूठा अधिकार। अनुवाद में अद्भुत गति। संगीत से अनुराग। अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए दान की याचना। अहिंसाव्रती और जयाजगत के मंत्र–दाता...

यह थे विनोबा। संत विनोबा भावे। जन्मना विनायक नरहरि। आत्मा से सर्वोदयी। भूदान–यज्ञ के प्रणेता। राष्ट्र के शिक्षक। महात्मा गांधी के आध्यात्मिक या उत्तराधिकारी पुत्र। भारत छोड़ो आंदोलन के पहले सिपाही। श्रीमद्भगवतगीता के मर्मज्ञ और प्रवचनकार। साबरमती के संत के अनन्य अनुयायी। वह समस्त भारतीय भाषाओं के लिए उसी तरह एख लिपि के अनुयायी थे, जैसे तमाम योरोपीय भाषाओं के लिए एक रोमन लिपि। देवनागरी को वह समस्त भारतीय भाषाओं के लिए उपयुक्त मानते थे। उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन किया। प्रेम की अमोघ शक्ति और सत्ता में उनकी गहरी आस्था थी। वह कहा करते थे–मुझे प्रेम छोड़ कोई तकनीक नहीं पता, क्योंकि शक्ति में मेरा कोई विश्वास नहीं।22 लोक ने उन्हें ससम्मान आचार्य कहकर पुकारा। कृतज्ञ राष्ट्र ने सन् 1983 में उन्हें भारतरत्न से सम्मानित किया। इससे पच्चीस साल पहली ही उन्हें प्रतिष्ठित रमन मैग्सेसे अवार्ड से विभूषित किया जा चुका था।

महाराष्ट्र के कोंकण अंचल में 11 सितंबर, सन् 1895 को एक छोटे–से गांव गागोजी में उनका जन्म हुआ। नरहरि शंभुराव और रुक्मणिदेवी की पांच संताने थीं। चार बेटे विनायक, बालकृष्ण, शिवाजी एवं दत्तात्रेय तथा एक पुत्री। आधुनिक विचारों के पिता प्रशिक्षित बुनकर थे और बड़ौदा में रहते थे। विनायक का पालन–पोषण दादा शंभुराव भावे ने किया। वह महाराज सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में पढ़े। वह अफनी मां रुक्मणी देवी से अत्यंत प्रभावित थे। कम उम्र में ही उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता पढ़ी तो उसका उन पर अनन्य और अमिट प्रभाव पड़ा। वह आजीवन इस अमृतग्रंथ के पठन–पाठन, उस पर प्रवचन, टीका और अनुवाद से जुड़े रहे। उनके बारे में उनके घनिष्ठ सहयोगी मन्नारायण ने कहा–मुझे इस बात में रत्तीभर शक नहीं कि जब उनके भूदान–यज्ञ के अशेष तलाश कर सकना भी शोधकर्ताओं के लिए मुश्किल होगा। तब भी गीता पर उनकी विवेचना सदियों तक दमकती रहेगी। एक ऐसे महाऋषि के दमकते आभूषण के रूप में जो हाड़मांस में भारत भूमि पर रहता था। कौन यकीन करेगा कि गीता पर उनकी टीका की भारतीय और योरोपीय भाषाओं में बीती सदी के अंत तक लगभग 25 लाख प्रतियां बिक चुकी थीं और नयी सदी में भी उसका बिकना जारी है। यह टीका कैदियों को तब दिये गये व्याख्यानों का परिणाम थी, जब वह सन् 1932 में फरवरी से जून के मध्य कारागार में थे। बंदियों में आस्था और ज्ञान के संचार के लिए उन्होंने लगातार 18 रविवार ये प्रवचन दिये थे। उन्होंने गीता को गीताई शीर्षक से मराठी में अनुवाद किया। आरएम लाला लिखते हैं– श्श्आश्रम में विनोबा से मिलना एक विनम्र अनुभव था। उस व्यक्ति का जो विशिष्ट व्यक्तित्व और जो मानववाद उभरकर सामने आता था। उसके अलावा उनके भाषणों, व्याख्यानों और अध्ययन के फलस्वरूप जन्म लेने वाली पुस्तकों को पढ़कर एख अद्भुत अनुभव होता था। उनके ज्ञान का विस्तार आश्चर्यजनक था, क्योंकि उन्होंने तमाम विश्व धर्मों के सार तत्व का अध्ययन किया था और उस पर अनेक पुस्तकें प्रकाशित कराई थीं। कुरआन पढने के लिए उन्होंने अरबी सीखी। टॉक्स ऑन द गीता संभवतः उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना थी।

विनोबा भारतीय भाषाओं के लिए साझा लिपि के प्रबल पक्षधर थे। उनकी मान्यता थी कि साझा लिपि भारत के ऐक्य में सहायक होगी। उन्होंने एकबारगी कहा था–मैं एक सनकी हूं और मैंने एक नयी सनक अपना ली है।वह खुद को बाबा कहते थे। दिलचस्प तौर पर बाबा ने स्कूल में अंग्रेजी और फअरेंच सीखी थी, पर शीघ्र ही जर्मन, लैटिन और एस्पेरांतो भी सीख ली, क्योंकि उनकी लिपि एकसां थीं।

बापू से विनोबा के रिश्तों को जाने बगैर विनोबा को नहीं जान सकते। उन्हें बापू के विचारों और पाठों ने रचा था। बापू से उनका नाता एकबारगी जुड़ा तो फिर टूटा नहीं।

इस रिश्ते की कहानी दिलचस्प है। महामना मदनमोहन मालवीय के नवस्थापित वाराणसी हिन्दु विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी के भाषण ने उन्हें पहलेपहल गांधी की ओर आकृष्ट किया। सन् 1916 का वाकया है। विनोबा इंटर परीक्षा के वास्ते बंबई जा रहे थे। रेलयात्रा में ही उन्होंने अखबार में छपा बापू का आलेख पढ़ा। लेख ने उनके भीतर ऐसी अलख जगायी कि उन्होंने स्कूल–कॉलेज के अफने सर्टिफिकेट आग में झोंक दिये। उन्होंने तत्काल बापू को एक खत लिखा। इस खत से दोनों के दरम्यां पत्राचार का सिलसिला चल निकला। बापू ने अपने से छब्बीस वर्ष छोटे विनोबा के मन की थाह पाई तो उन्हें पत्र लिखकर मुलाकात के लिए अहमदाबाद स्थित कोचरब आश्रम में आमंत्रित किया। 7 जून, 1916 को दोनों की भेंट हुई। नतीजतन विनोबा ने आगे पढने का इरादा त्याग दिया और आश्रम की गतिविधियों से मन, वचन और कर्म से जुड़ गये। अध्ययन, अध्यापन, साफ–सफाई, कताई, खादी का प्रचार–प्रसार, ग्रामोद्योग, नयी तालीम ही अब उनका ध्येय था। 8 अप्रैल सन् 1921 को वह बापू की इच्छा के अनुरूप आश्रम की स्थापना के लिए वर्धा गये। सन् 1923 में उन्होंने मराठी मासिक महाराष्ट्र धर्म निकाला। बाद में यह पत्र साप्ताहिक हुआ और तीन साल चला। सन् 1925 में बापू ने उन्हें केरल में मंदिर में हरिजनों के प्रवेश की निगरानी के लिए वायकोम भेजा। सन् 20 और सन् 30 के दरम्यान विनोबा कई दफा जेल गये। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ अहिंसक आंदोलन के नेतृत्व के लिए सन् 40 के दशक में उन्हें पांच साल के कारावास की सजा हुई।

कारावास विनोबा के लिए वरदान सरीखा हुआ करता था। सींखचों के पीछे रहकर उन्होंने खूब पढ़ा–लिखा। वहीं उन्होंने ईशावास्य–वृत्ति लिखा और स्थितिप्रज्ञ दर्शन भी। वहीं उन्होंने दक्षिण भारत की चारों भाषाएं सीखी। वेल्लोर जेल में उन्होंने लोकनागरी लिपि का अविष्कार किया। वह सुर्खियों में तब आएष जब महात्मा गांधी ने अफने अहिंसक आंदोलन के लिए पहला सिपाही के तौर पर उन्हें चुना। उनके भाई बालकृष्ण भी गांधीवादी थे। बापू ने उन्हें और मणिभाई देसाई को उरली कांचन में उपचार आश्रम के लिए प्रेरित किया। विनोबा ने कुछ समय बापू के साबरमती आश्रम में भी बिताया। जिस कुटिया में वह रहते थे, उसे विनोबा कुटिर के तौर पर सहेजा गया। आजादी के बाद भी वह गांधी पथ से जुड़े रहे और विश्व को ओमतत्सत् तथा जयजगत का मंत्र दिया।

बीती सदी के छठवें दशक में वह फिर सुर्खियों में आए। उनके भूदान–यज्ञ की कहानी सन् 1951 में आंध्र में पोलमपल्ली से शुरू हुई। जब जमींदार रामचंद्र रेड्डी ने विनोबा के आग्रह पर सौ एकड़ जमीन दान की। चौदह बरसों तक वह रोजाना बारह से पंद्रह मील पैदल चलते रहे। लोग उनकी एक झलक के लिए दूर–दूर से पैदल, रेलगाडियों और बसों–मोटरों में आते। सन् 1951 से 1970 के दरम्यान लगभग 10 लाख दानवीरों ने भूदान के तहत 42 लाख एकड़ भूमि का दान किया। वह नियमित दो बार सामूहिक प्रार्थना और ध्यान में भाग लेते थे। उन्हें मौन प्रिय था और वह आंतरिक वाणी को वरीयता देते थे। बीथोवेन की भांति वह भी बाद में बधिर हो गये थे। इमर्जेन्सी को अनुशासन–पर्व की उनकी संज्ञा चर्चित रही। नवंबर, सन् 1982 के प्रारंभिक दिनों में उन्होंने अन्नजल त्याग दिया। आठ दिनों के संथारा के उफरांत 15 नवंबर, सन् 1982 को राम–हरि, राम–हरि रटने के बाद उन्होंने अपने सृष्टा से एकाकार होने के लिए प्रयाण किया।**–डॉ. सुधीर सक्सेना**

सर्किट हाउस में पत्रकारों से मुखातिब प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट की विशेषताओं व प्राथमिकताओं को विस्तार से बताया। इसके साथ में उन्होंने तिलहन और दलहन की पैदावार बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सरकार तिलहन और दलहन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है। जिसको लेकर सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों को इसके बीज उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके साथ में ज्वार बाजरा की कृषि पर सब्सिडी भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट गरीबों शोषित वंचित को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा। हमारी अर्थव्यवस्था नवे स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। बजट में आर्थिक स्थिरता के लिए सात प्राथमिकताएं निर्धारित की गई है। नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों के लिए इनकम टैक्स की सीमा बढ़ाकर सात

लाख कर दी गई है। बजट के भीतर किसानों के लिए प्राकृतिक कृषि हेतु प्राथमिकता दी गई है। जिसमें दी गई धनराशि का इस्तेमाल बीज से लेकर बाजार की व्यवस्था में होगा। नए मेडिकल कॉलेज खोलकर स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर किया जाएगा। रोड कनेक्टिविटी को बेहतर करने पर बजट में विशेष प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्र के जीवन को कैसे बेहतर किया जा सके इस पर एक व्यापक सोच के साथ बजट में प्रावधान किया गया है। किसानों के लिए कम ब्याज पर ऋण की व्यवस्था की गई है। आदिवासी क्षेत्रों में विद्यालय की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है। इस नाते बजट में जो धनराशि दी गई है। उसका सबसे ज्यादा फायदा उत्तर प्रदेश को होगा। क्योंकि यहां 166 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि है। जिसका हम उपयोग करते हैं। योगी सरकार राज्य स्तर पर भी योजनाएं दे रही है। जिसके तहत बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती की योजना शुरू की है। पिछले रवी के सीजन में राज्य सरकार ने साढ़े नौ लाख मिनी किट किसानों को दलहन तिलहन के सरसों चना मसूर के उपलब्ध कराएं। जिससे राज्य के भीतर दलहन तिलहन की पैदावार बढ़ाई जा सके। किसानों को आर्थिक रूप से समृद्धशाली बनाने हेतु हम प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया अयोध्या में विकास की परियोजनाओं व सरकार की योजनाओं की समीक्षा की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, अमृत सरोवरों का निर्माण, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा के तहत रोजगार, महिला समूह को सशक्त करना, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना जैसी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बीकापुर में जब वह निरीक्षण कर रहे थे। उस दौरान पूछने पर लोगों ने बताया कि राशन मिल रहा है 16 घंटे से अधिक लाइट मिलती है। हैंडपंप से पेयजल मिल रहा है। सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन काम कर रहा है।

आठ वर्षीय मासूम के साथ गैर समुदाय युवक ने की दरिंदगी

उन्नाव। के सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एक मोहल्ले निवासी 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गैर समुदाय के युवक द्वारा दरिंदगी की गई है। बुधवार को दोपहर के समय स्कूल से लौटते समय गायब हो गई थी।देर शाम तक परिजनों उसे खोजते रहे जहा उसका कोई पता न चलने पर सदर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बच्ची को आरोपी की मां लहूलुहान हालत में गुरुवार सुबह घर लेकर पहुंची तो परिजनों के होश उड़ गए। वही परिजनों की तहरीर पर सदर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पीड़िता को उपचार और मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। इस मामले में हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय प्रभारी विमल द्विवेदी ने आरोपी के साथ उसके परिजनों पर भी सख्त कार्रवाई करने की मांग पुलिस से की है। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी 8 वर्षीय बच्ची वही पास ही एक निजी स्कूल में पढ़ती थी।बुधवार छुट्टी के बाद स्कूल से लौटते समय मोहल्ला निवासी नजाकत पुत्र शरीक उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया।

जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की होगी निःशुल्क शल्य चिकित्सा -ब्रजेश पाठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की पहल पर अब प्रदेश में जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की निःशुल्क शल्य चिकित्सा की जायेगी। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0 द्वारा श्रीसत्य सांई संजीवनी इन्टरनेशनल सेंटर फार चाइल्ड केयर एण्ड रिसर्च पलवल के साथ एक एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है। इस एमओयू के हस्ताक्षरित होने के उपरांत प्रदेश के हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को निःशुल्क शल्य चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। बच्चों के हृदय रोग की शल्य चिकित्सा हेतु सत्य साई संजीवनी इंटरनेशनल सेंटर फॉर चाइल्ड हर्ट केयर एण्ड रिसर्च, पलवल देश का एक प्रतिष्ठित संस्थान है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य में जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की शल्य चिकित्सा का सुनिश्चित करना बड़ा दायित्व है। इस नई पहल के साथ स्वास्थ्य विभाग के कुशल प्रबंधन से यह कार्यक्रम बच्चों को एक स्वस्थ

जीवन देने में सहायक होगा। एमओयू हस्तांतरण कार्यक्रम के अवसर पर मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सुश्री अपर्णा उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश में जन्मजात बीमारियों से बाल मृत्यु दर को कम करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में हस्ताक्षरित एम०ओ०यू० के उपरांत प्रदेश के हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को निःशुल्क उत्कृष्ट चिकित्सकीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक रूप से किए गए एकीकृत उपायों के फलस्वरूप बाल स्वास्थ्य में निरंतर तेजी से सुधार हो रहा है। महाप्रबंधक बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर०बी०एस०के०) डॉ० मनोज कुमार शुक्ल ने कहा कि एम०ओ०यू० के हस्ताक्षर होने से प्रदेश में हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को शीघ्र चिकित्सकीय उपचार प्राप्त होंगे और इलाज से लंबित बच्चों को निःशुल्क चिकित्सकीय सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। उनके द्वारा मीडिया के माध्यम से आम जन से अपील भी की गई कि विद्यालयों में भ्रमण के दौरान लोग आर०बी०एस०के० टीम से अपने बच्चों की जांच सुनिश्चित कराएं ताकि बच्चों की बीमारियों का चिन्हीकरण किया जा सके और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय उपचार प्रदान किए जा सके।

संक्षिप्त खबरे

बकरी चराने गई बच्ची पर मधुमक्खियों ने बोला हमला

ऊंचाहार,रायनरेली। बकरी चराने गयी एक 9 वर्षीय बच्ची पर मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया, पानी में कूदकर किसी तरह बच्ची ने अपनी जान बचाई, आसपास मौजूद लोगों ने उसे पानी से बाहर निकालकर इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया है।मामला क्षेत्र के गांव पूरे रामदीन मजरे कमोली का है, जहां गॉव निवासी बसंतलाल की पुत्री मुस्कान 9 वर्ष गुरुवार की दोपहर गांव के पास ही जंगल में बकरी चराने गई थी, उसी दौरान मधुमक्खियों ने उस पर हमला बोल दिया, पास के गड्ढे में भरे पानी में कूदकर बच्ची ने किसी तरह अपनी जान बचाई, वहीं मधुमक्खियों के हमले से बच्ची अचेत हो गई, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकालकर इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि बच्ची को मधुमक्खियों ने काटा है, उपचार किया जा रहा है।

पति की मौत पर पत्नी ने जताया हत्या की आशंका

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के मना खेड़ा गांव में बुधवार रात एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत हो गई है। मामले में पत्नी ने जमीनी विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताया है ।प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।जानकारी के मुताबिक मना खेड़ा निवासी विजय शंकर मिश्रा(58) पुत्र रामरतन कमरे के अंदर मृत हालत में मिले हैं। उनकी पत्नी शशि देवी ने बताया कि परिवार के सभी लोग पास के ही गांव सराय कुर्मी एक विवाह समारोह में चले गए थे ।रात 11 बजे के करीब जब पुत्र ओमप्रकाश घर लौटा तो देखा कि पिता विजय शंकर मृत हालत में पड़े हैं। उनके गले में सूजन के निशान हैं। पत्नी ने अपने पति की मौत के बाबत बताया कि उनका परिवारी जनों से जमीनी विवाद को लेकर मुकदमा चल रहा है। जमीनी विवाद के चलते ही उन की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक विजय शंकर के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ।पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल पाएगा और तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। मृतक विजय शंकर खेती किसानी कर परिवार का पेट पालता था उसकी मौत से परिवार के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है ।वह अपने पीछे पत्नी और 2 पुत्र ओमप्रकाश, राजा व पुत्री वसुंधरा को छोड़ गया है। मुखिया के मौत से परिवार में मातम छा गया है।

अज्ञात चोरों ने चुराए 5 हजार की नगदी व जेवर चोरी

सिधौली (सीतापुर)। बीती रात अज्ञात चोरों ने सुजौलिया गांव के एक घर से 50 हजार की नगदी समेत सोने चांदी के जेवर चुराकर फरार हो गये। इस संबंध में पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। जानकारी के अनुसार सरस्वती सिंह पुत्री स्व0 तेज पाल सिंह जब बीती रात अपने घर में सो रही थी तभी अज्ञात चोर उनके घर मे प्रवेश कर गए और घर रखा 50 हजार की नगदी व सोने चांदी के जेवर चुरा लिए। पीड़िता ने तहरीर में बताया है कि 50 हजार की नगदी व झुमकी हार पाजेब व चार अंगूठी पायल आदि चोरी हो गया है। पीड़िता ने कमलापुर थाना में लिखित तहरीर दे दी है।

ग्राम पिठिया भदौली में जंगली सूअर मारने के लिए रखा था विस्फोटक

अयोध्या। ग्राम पिठिया भदौली में जंगली सूअर मारने के लिए रखे विस्फोटक पदार्थ को खाने से भैंस की हालत गंभीर हो गई। उत्तर प्रदेश खेत मजदूर संगठन के प्रांतीय महामंत्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि 08 फरवरी को ग्राम पिठिया भदौली निवासी राम कुमार निषाद की पत्नी गांव के बाहर अपनी भैंस चरा रही थी कि अचानक विस्फोट हुआ जिससे भैंस का पूरा जबड़ा बुरी तरह से फट गया। गांव के ही संगठन के सदस्य शेर अली ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस आने पर पता चला कि गांव के ही लोगों ने जंगली सूअर मारने के लिए विस्फोटक पदार्थ के ऊपर आटा लपेट कर रख दिया था जिसे भैंस ने मुंह में चबा लिया जिससे विस्फोट हो गया और भैंस बुरी तरह जख्मी हो गई। मामले की प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना महराज गंज में दर्ज करा दी गई है।

राम जन्मभूमि को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया है। उससे थाना राम जन्मभूमि में पूछताछ चल रही है। खुफिया एजेंसी, एसटीएस और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी थाना राम जन्मभूमि पूछताछ कर रहे हैं। बीते दो फरवरी को राम जन्मभूमि क्षेत्र के रामलला सदन निवासी मनोज कुमार के मोबाइल पर 9999 094181 नंबर से धमकी भरा फोन आया था। फोन करने वाले ने राम जन्मभूमि को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। पकड़ा गया आरोपी लगातार पुलिस को गुमराह कर रहा है। खुद को कभी चेन्नई तो कभी महाराष्ट्र का निवासी बता रहा है। बताए गए पते पर पुलिस तस्दीक कर रही है।

भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए ईदगाह मस्जिद में की खास दुआएं

लखनऊ। राजधानी की ईदगाह में सीरिया और तुर्की में आए भूकंप से पीड़ित लोगों की सलामती के लिए खास दुआएं की गई। गुरुवार की दोपहर में जोहर की नमाज के बाद ऐशबाग स्थित ईदगाह परिसर की मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने भूकंप से हुई लोगों की मौत पर उनके लिए दुआएं मगफिरत की तथा भूकंप से प्रभावित घायलों के जल्द स्वस्थ होने की खास दुआएं मांगी। इस मौके पर भारी तादाद में जुटे मुस्लिमों ने मौलाना फरंगी महली की दुआ पर आमीन कहा। गौरतलब है,कि विगत 6 फरवरी को तुर्की और सीरिया में 7.8 की तीव्रता का भूकंप आया था,जिसके बाद मीडिया में बताया गया कि भूकंप से 04 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं और कई शहर पूरी तरह से तबाह और बर्बाद हो गए है।

नकलविहीन यूपी बोर्ड परीक्षा कराने के डीएम ने दिए निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

रायबरेली। 16 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड की परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश डीएम माला श्रीवास्तव ने राजकीय इण्टर कालेज में बैठक के दौरान दिए।उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर पानी, बिजली, शौचालय, साफ–सफाई की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। केंद्रों पर पावर बैकअप, जनरेटर व इन्वर्टर की व्यवस्था, वायस रिकार्डर युक्त सीसीटीवी कैमरा पूरी तरह से व्यवस्थित रहे। परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन नही जायेगे। अगर किसी को फर्नीचर आदि की कोई दिक्कत हो तो अभी से दुरुस्त करें। परीक्षाओं में निरीक्षण एवं भ्रमण के लिए पर्याप्त एसडीएम व सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात रहकर पूरी तरह से सक्रिय रहेंगे। सभी प्रधानाचार्य बोर्ड परीक्षाओं को गंभीरता के साथ सम्पन्न करायें। परीक्षा में चिन्हित किये गये संवेदनशील अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष ध्यान रखा जाये। परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों के आस–पास फोटो स्टेट सेंटर पूरी तरह से बंद रहे। मॉनिटरिंग

कन्ट्रोल रूम के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार को प्रशासन द्वारा नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने कन्ट्रोल रूम नम्बरों को पूरी तरह से सक्रिय रहने के निर्देश दिये है। सभी तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट व अधिकारी समय से एक घंटा पूर्व केंद्र पर पहुंचकर अपनी उपस्थिति में शांतिपूर्ण, नकल विहीन परीक्षाएं संपादित कराऐंगे और किसी भी तात्कालिकता की स्थिति में अपर जिलाधिकारी प्रशासन, जोनल मजिस्ट्रेट अथवा जिला विद्यालय निरीक्षक से त्वरित संवाद कर समस्या का समाधान करोंएगे। जोनलएसेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, डीआईओएस ओमकार राणा, बीएसए शिवेंद्र सिंह, सीओ सिटी वंदना सिंह व सभी प्रधानाचार्य व केन्द्र व्यवस्थापक उपस्थित रहें।

एक किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

रायबरेली। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के दौरान पुलिस ने गांजे का धंधा करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के कब्जे से एक किलो गांजा बरामद किया गया है। इस मामले में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया गया है। भदोखर थानेदार राजेश कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को वह एसआई लक्ष्मी नारायण द्विवेदी के साथ गश्त पर थे। तभी सूचना मिली की मनेहरु तिराहे पर एक युवक गांजे की बड़ी आपूर्ति देने के लिए खड़ा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया।पूछताछ में युवक ने अपना नाम एवन तिवारी पुत्र कल्लू प्रसाद निवासी उतरपारा मजरे बेलाभेला बताया है। युवक के कब्जे से पुलिस ने एक किलो गांजा बरामद किया है।

ब्राह्मण सम्मेलन में जुटी भीड़ से गदगद दिखे जितिन प्रसाद

अयोध्या। भरतकुंड मे आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में जुटी भीड़ व स्वागत समारोह से लोक निर्माण मंत्री गदगद दिखे।बुधवार को रामनगरी आए सूबे के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद भरतकुंड राम जानकी मंदिर पर आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में सम्मिलित हुए। सम्मेलन की जिम्मेदारी समाजसेवी राजन पांडेय के सुपुत्र जिला पंचायत सदस्य अंकित पांडे को दी गई थी। अंकित पांडे ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य सिक्कू तिवारी के साथ लोक निर्माण मंत्री का स्वागत किया लोक निर्माण मंत्री स्वागत से काफी खुश दिखे और उन्होंने अंकित पांडेय की पीठ थपथपाते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहां उपस्थित ब्राह्मण समाज के सैकड़ों लोगों से जितिन प्रसाद ने स्वयं वार्ता करते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर तथा उसके निवारण के लिए अधिकारियों को त्वरित आदेश दिया। समाजसेवी राजन पांडेय द्वारा वहां आए हजारों लोगों के लिए जलपान की बेहतरीन व्यवस्था की गई थी जिसमे सम्मिलित होकर जितिन प्रसाद ने सभी लोगों के साथ बैठकर खिचड़ी भोज का लुफ्त उठाया तथा पुनः आने का वादा भी किया लोक निर्माण मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा की भाजपा के प्रमुख सूची में अयोध्या का नाम है इसलिए अयोध्या का विकास बहुत तेजी से किया जा रहा है। जितिन प्रसाद जी ने वहा उपस्थित सभी लोगो से एकजुट रहते हुए एक दूसरे के दुख सुख मे शामिल होने की भी अपील की। ब्राह्मण चेतना परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अशोक पांडे एवं प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत अवस्थी के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ।

सरकारी स्कूल में बंद किए आवारा पशु, बाहर मैदान में पर लगी पाठशाला

प्रयाग दर्पण संवाददाता

महोली देहात (सीतापुर)। जिले में आवारा जानवरों से परेशान किसानों ने पशुओं को घेरकर प्राथमिक स्कूल में बंद कर दिया। इससे स्कूल में पढ़ाई नहीं हो सकी। प्रधानाध्यापक को मैदान में कक्षाएं लगाने को मजबूर होना पड़ा। जानकारी के अनुसार तहसील महोली के अंतर्गत ग्राम जहासापुर में ग्रामीणों द्वारा स्कूल में आवारा जानवरों को बन्द कर बच्चों की पढ़ाई का नुकसान कराया गया। वहीं क्षेत्र में आवारा जानवर किसानों के लिए मुसीबत बन गए। कई गांवों में गेहूं, आलू एवं सरसों की फसलों को बर्बाद किया जा रहा है। किसान रात–रात भर ही जागकर फसलों की रखवाली करने को विवश हैं। झुंड के झुंड आवारा पशुओं के फसलों में प्रवेश करने से ही लाखों रुपया का नुकसान हो रहा है।

मैदान में हुई पढ़ाई बुधवार की सुबह आवारा जानवरों से परेशान जहासापुर

गांव के किसानों ने आवारा पशुओं को घेराबंदी करके प्राथमिक स्कूल में बंद कर दिया। करीब दो दर्जन से अधिक पशुओं को स्कूल के अंदर बंद देखकर सुबह आठ बजे अध्यापक और बच्चे स्कूल पहुंचे तो बाहर खड़े रहे। स्कूल प्रांगण में गाय, बैल और बछडे भरे हुए थे। मजबूरन विद्यालय की प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार ने स्कूल के सामने मैदान में स्कूल के बच्चों को बिठाकर पढ़ाना शुरू कर दिया और पूरे मामले की जानकारी बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों तथा साथ में पुलिस को दी। क्या कहा किसानों किसानों का कहना है कि अब तक आवारा पशुओं ने सरसों, गेंहू व आलू की फसल में लाखों रूपये का नुकसान कर रहे है। यह हाल तो केवल जहासापुर गांव का ही नहीं बल्कि आस पास के सभी गांवों का है। आवारा पशुओं के आतंक के कारण हम सभी रात्रि को जागकर फसलें रखवाली करने को विवश हैं।

टेम्पो और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में 2 लोगों की मौत

हरदोई। जिले के पाली थाना क्षेत्र के सरसई बैरियर के पास खराब हुई एक बोलेरो को खींचने जा रहे एक टेंपो और बाइक की आमने–सामने भिड़ंत हो गई।इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित पांच लोग घायल हो गए। घटना से हड़कंप मच गया।मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। वहीं परिजनों को भी खबर की। जिसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे,फिलहाल एक घायल को मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार,शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र के डारा गांव के बागेश (24) पुत्र रामनिवास अपनी बाइक पर साले श्याम सिंह और उनकी पत्नी सीमा व 6 वर्षीय बच्चे आयुष को बैठाकर सांडी के जरौली नेवादा जा रहा था। पाली थाना क्षेत्र के रुपापुर के भदौरिया ढावे के आगे कौसिया मंदिर के पास बागेश की बाइक रुपापुर की ओर से सरसई की ओर जा रहे एक टैम्पो से टकरा गई।

दाखिल खारिज की रिपोर्ट लगाने के नाम पर मांगा रूपया

अयोध्या। एंटी करप्शन सेल ने दाखिल खारिज की रिपोर्ट लगाने के नाम पर तीन हजार की रिश्वत ले रहे एक लेखपाल को मोदहा चौराहे से गिरफ्तार कर लिया है। थाना कैंट पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

एंटी करप्शन सेल के इंस्पेक्टर धनंजय सिंह ने बताया कि थाना कैंट क्षेत्र अंतर्गत गद्दोपुर मझवा निवासी कृष्ण भूषण पशु चिकित्सक हैं। उन्होंने सेल को लिखित शिकायत दी थी कि सोहावल तहसील में तैनात लेखपाल दिनेश कुमार (56) ने उनसे दाखिल खारिज की रिपोर्ट लगाने के नाम पर तीन हजार रुपये मांगे हैं। धनंजय सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद से आरोपी पर नजर रखी जा रही थी। गुरुवार को थाना रौनाही क्षेत्र के रैथुवा निवासी आरोपी लेखपाल दिनेश कुमार ने कृष्ण भूषण को पैसे लेकर मोदहा चौराहे पर बुलाया था।

ऑपरेशन के बाद आँखो की पुनः रोशनी पाकर मरीजो के चेहरे पर दिखी मुस्कान

उन्नाव। किसी जरूरतमंद के काम आना जहाँ बहुत अच्छा कार्य है वहीं बूढ़ी आंखों को नई रोशनी के माध्यम से पुनः दुनियां के बेसुमार रंगों को दिखाना अति पुनीत कार्य है। यह बात भारत विकास परिषद , चंद्रशेखर आजाद शाखा के तत्वावधान में नारी समर्था साईं आई हॉस्पिटल कानपुर द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवम ऑपेरशन शिविर में सफल ऑपेरशन करा वापस आये मरीजों को साथ लेकर आये कार्यक्रम संयोजक आदित्य बाजपेई बच्चा ने निजी प्रयासों से उन्हें उनके घरों तक पहुंचाते हुए कही। शाखा सचिव पवन निगम ने बताया चिह्नित मरीजों में से 52 लोगों का सफल आपरेशन साईं आई हॉस्पिटल में

हुआ। जिसके उपरांत सभी को अस्पताल की तरफ से निःशुल्क चश्मा भेंट किया गया। इस क्रम में शाखा के उपाध्यक्ष नीरज निगम के सहयोग से संस्था द्वारा मरीजों को कम्बल भेंट किये गए। कार्यक्रम सह–संयोजक शिवांग मिश्रा ने नन्द प्लाजा में सभी का स्वागत करते हुए कहाँ इस नेत्र शिविर में वृद्ध और वंचित जनों को लाभ मिला है जो कि सुखद अनुभूति है। भारत विकास परिषद, ब्रह्मावर्त प्रांत के प्रांतीय सदस्य डॉ. प्रभात सिन्हा ने कहा कि सफल आपरेशन के बाद घर पहुंचे मरीजों के चेहरे पर विजित मुस्कान देख जो खुशी हुई उसे शब्दों में बयाँ नही किया जा सकता। हम लोग इस तरह के निःशुल्क कैम्प समय–समय पर लगवाकर समाज के वंचित वर्ग के उत्थान में हर सम्भव प्रयास करेंगे। साईं आई हॉस्पिटल में डॉ. आकांक्षा गुप्ता, आलोक तिवारी संग समस्त टीम के प्रयासों व समाज सेवी अखिलेश अवस्थी के योगदान का सचिव पवन निगम ने आभार जताया।

गांव में बाधित न हो जलापूर्ति, इसका करें इंतजाम- स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ । प्रदेश के जिन गांव में जलापूर्ति पहुंच चुकी है वहां पेयजल व्यवस्था सुचारू बनी रहे। किसी तरह की तकनीकी खराबी आने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे किसी भी कीमत पर दुरुस्त कराया जाए। ये निर्देश जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को जारी किये हैं। पाइपलाइन डालने के दौरान खोदे गए मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दुरुस्त कराने के भी निर्देश जल शक्ति मंत्री ने दिये। उन्होंने अफसरों को सख्त निर्देश दिये हैं कि पाइपलाइन का काम समाप्त होने के साथ सड़कें दुरस्त हो जानी चाहियें। जल शक्ति मंत्री ने अफसरों को गांव में दौरा कर नल कनेक्शन, जलापूर्ति, जागरूकता अभियान और पानी की गुणवत्ता की प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए भी कहा। जल शक्ति मंत्री बुधवार को देर रात नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के गोमतीनगर स्थित कार्यालय में समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में जल शक्ति मंत्री ने सख्त अंदाज में कहा कि किसी भी गांव में जलापूर्ति बाधित न होने पाए अधिकारी इसका इंतजाम करें। उन्होंने कहा कि हर घर नल से जल पहुंचाने के कार्य से ग्रामीण क्षेत्रों में कोई असुविधा न हो इसका भी पूरा ध्यान रखा जाए। जल जीवन मिशन से जुड़ी संस्थाओं को उन्होंने गांव–गांव में एक–एक व्यक्ति को जागरूक करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से बुंदेलखंड में पीने के स्वच्छ जल को मार्च माह तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक पहुंचाने के भी निर्देश दिये। बैठक में जल शक्ति मंत्री ने अधिकारियों से बारी–बारी बुंदेलखंड के एक–एक जिले की प्रगति पूछी और समय से कार्य पूर्ण कराने की टाइमलाइन भी तय की। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में प्रगति धीमी है वहां काम पूरा करने के लिए रात–दिन काम कराया जाए। उन्होंने सख्त अंदाज में अधिकारियों से हर कीमत पर मार्च माह तक बुंदेलखंड के प्रत्येक परिवार तक नल से जल पहुंचाना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदशन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जल जीवन मिशन योजना का लाभ जन–जन तक पहुंचाने के लिए विभाग पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। योजना को सफल बनाने के लिये अधिकारी पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कार्य करें। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने अफसरों से भुगतान प्रक्रिया को तेज करने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर कम्पनियों के बिलों का भुगतान एक हफ्ते में कराया जाए। बिल भुगतान में अनावश्यक देरी होगी तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जल निगम के एमडी डॉ. बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक प्रिय रंजन कुमार समेत अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

फार्मेसिस्ट फेडरेशन विंग ने विभिन्न समस्याओं को ले डीआई को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। बिना फार्मासिस्ट के चल रहे मेडिकल स्टोर पर हो रही अनियमितता को दूर करने के लिए गुरुवार को फार्मेसिस्ट फेडरेशन यूथ विंग का प्रतिनिधि मंडल ड्रग इंस्पेक्टर को अवगत कराते हुए अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की मांग रखी। जिसे फार्मासिस्ट यूथ विंग ने संरक्षक उपेंद्र यादव और प्रदेश अध्यक्ष आदेश के नेतृत्व में लखनऊ के औषधि अनुज्ञापन अधिकारी और ड्रग इंस्पेक्टर से मुलाकात कर फार्मेसिस्टों की समस्याओं से अवगत कराया । लखनऊ के डीएलए बृजेश कुमार और डीआई नीलेश कुमार शर्मा से मिलकर यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष आदेशों से अवगत कराया कि फार्मेसिस्ट जब किसी प्रतिष्ठान से अपने को असंबद्ध करता है तो उसका नाम पोर्टल से जल्दी हटाया नहीं जाता है। जिससे अनेक समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। वहीं औषधि निरीक्षक ने इस समस्या का तत्काल समाधान करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने मेडिकल स्टोर के नियमानुकूल संचालन के लिए फेडरेशन से सहयोग मांगा और उपस्थित दोनों अधिकारियों ने फेडरेशन का सहयोग करने के लिए अश्वस्त किया। अब फार्मेसिस्ट फेडरेशन प्रदेश में अनियमित ढंग से चल रहे मेडिकल स्टोरो का संचालन रोकने के लिए विभागीय अधिकारियों का सहयोग करेगा । फेडरेशन ने मेडिकल स्टोरो पर फार्मेसिस्ट की अनिवार्यता सुनिश्चित करने की मांग की साथ ही औषधि उत्पादन उद्योगों में फार्मेसिस्ट की अनिवार्यता की भी मांग का ज्ञापन दिया । प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष देवेंद्र, रामशरन एवं लखनऊ के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार ज्ञापन के दौरान मौके पर उपस्थित रहे ।

कर करेत्तर राजस्व वसूली एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। गुरूवार को जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कर करेत्तर राजस्व वसूली एवं अन्य राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कर प्राप्तियो पर विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान व्यापार कर,स्टांप शुल्क, आबकारी, विद्युत, परिवहन, खनन आदि में लक्ष्य के सापेक्ष कम प्राप्तियो पर जिलाधिकारी ने इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तहसील वार आर.सी. वसूली की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्त तहसीलदारो को अगले 1 महीने में आर.सी. वसूली में सुधार लाने के निर्देश दिए। अन्यथा के स्थिति में प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने अमीन वार आरसी वसूली की नियमित समीक्षा करने के साथ ही सभी आरसी को ऑनलाइन करने के भी निर्देश समस्त उप जिलाधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियो को संबंधित तहसीलों में बिना एनओसी के संचालित ईट भट्टों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को भी कहा।जनपद स्तर पर 10 बड़े

बकायेदारों से वसूली की चर्चा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी तहसीलों में वसूली की स्थिति ठीक ना पाए जाने पर तहसीलदारो को इन में सुधार लाने को कहा। जन शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने साथ ही संतोषजनक रिपोर्ट लगाने को कहा। इसके लिए उन्होंने समस्त उप जिला अधिकारियों (न्यायिक) को प्रतिदिन असंतोषजनक निस्तारण वाले शिकायतों के शिकायतकर्ता से बातचीत कर उससे फीडबैक लेने की व्यवस्था भी समस्त तहसीलों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्व वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा के दौरान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मधुबन की स्थिति अत्यंत खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मधुबन के खिलाफ विभागीय कार्यवाही हेतु शासन को पत्र लिखने के निर्देश दिए। कृषि एवं आवासीय भूमि आवंटन में समस्त तहसीलों की स्थिति अत्यंत खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने शून्य स्थिति वाले तहसीलों के उप जिलाधिकारियों को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के अंदर ही जाति एवं आय प्रमाण पत्र जारी करने के भी निर्देश दिए। जाति प्रमाण पत्र जारी करने की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में जारी प्रमाण पत्रों के आधार पर प्राप्त आवेदन पत्रों को अकारण अस्वीकृत न किया जाए। उन्होंने नए जाति प्रमाण पत्र जारी करने के पूर्व पूरी जांच करने के भी निर्देश दिए। स्वामित्व योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को सर्वे का कार्य ठीक ढंग से पूर्ण करने को कहा जिससे बोर्ड द्वारा पुनः जांच हेतु सर्वे रिपोर्ट वापस ना भेजी जाए। बैठक के दौरान ही कुछ लेखपाल एवं कानूनगो द्वारा गलत रिपोर्ट लगाने का मामला संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों को क्षेत्र में कार्यरत लेखपाल एवं कानूनगो द्वारा गलत रिपोर्ट लगाने पर कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही एफआईआर दर्ज कराने के भी निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, अंश निर्धारण,वरासत अभियान आदि की भी विस्तृत समीक्षा की।

पुलिस लाइन में तैनात दरोगा ने गोली मारकर की आत्महत्या, अधिकारियों में मचा हड़कंप

मेरठ। मेरठ पुलिस लाइन में तैनात एक दरोगा ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। बताया गया कि दरोगा ने खुद की पिस्टल से कनपटी पर गोली मारकर वारदात को अंजाम दिया है। दरोगा का शव कमरे में बेड पर पड़ा मिला है।सूचना मिलते ही पुलिस लाइन में हड़कंप मच गया। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। हालांकि दरोगा ने किस वजह से सुसाइड किया है इसकी असली वजह सामने नहीं आई है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं एसएसपी रोहित सिंह सजवाण का कहना है कि पारिवारिक कलह के चलते दरोगा ने खुदकुशी की है।पुलिस के मुताबिक सहारनपुर के कोतवाली नगर में तैनात दरोगा इंद्रजीत ने पारिवारिक क्लेश के चलते मेरठ पुलिस लाइन स्थित अपने सरकारी आवास पर गोली मारकर आत्महत्या की है। एसपी ट्रैफिक एसपी देहात, एसपी सिटी, सीओ सिविल लाइन मौके पर पहुंचे। दरोगा की पुत्री (19) और पुत्र (14) साल का है। बेटी ग्रेजुएशन कर रही है। दारोगा इंदरजीत सिंह परिवार के साथ मेरठ स्थित पुलिस लाइन में रहते थे।

यह बजट देश की खुशहाली में मील का पत्थर साबित होगा: गणेश केसरवानी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज के द्वारा मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के मेहता प्रेक्षागृह में अमृत काल का प्रथम आम बजट को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें समाज के प्रबुद्ध जनों ने अपनी सहभागिता निभाई।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा जिला अध्यक्ष महानगर गणेश केसरवानी इस अवसर पर सम्बोधित करते हुये कहा कि यह बजट देश की खुशहाली में मील का पत्थर साबित होगा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार अमृत काल शब्द का इस्तेमाल 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया था, उस वक्त ही उन्होने 25 सालों के लिये देश के लिये का नया रोड मैप जारी किया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि 25 साल की यात्रा नये भारत का अमृत काल है, ये अमृत काल हमारे संकल्पों की पूर्ति करेगा और हमें आजादी के 100 साल तक ले जायेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने तेजी से प्रगति की है ऐसे में विकास की संतृप्ति होनी चाहिये और हर गांव में सड़कें होनी चाहिये, सभी परिवार के पास बैंक खाता हो और हर पात्रता वाले

व्यक्ति के पास स्वास्थ्य बीमा कार्ड और गैस कनेक्शन होना चाहिये। उन्होने कहा कि अमृत काल का उद्देश्य भारत के नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना और गांव–शहरों के बीच के विकास के अन्तर को कम करना है और लोगों की जिन्दगी में सरकार के हस्तक्षेप को कम करना है, इसके अलावा नई तकनीक का स्वागत करना है। उन्होने कहा कि अमृत काल बजट सात प्राथमिकताओं ''सप्तऋषि'' में क्रमशः समावेशी विकास, अंतिम छोर–अंतिम व्यक्ति तक पहुॅच, बुनियादी ढांचा और निवेश, निहित क्षमताओं का विस्तार, हरित विकास, युवा शक्ति एवं वित्तीय क्षेत्र शामिल है। इसी के दृष्टिगत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट का प्रस्ताव किया। उन्होने कहा कि देश ने पूरी मजबूती से कोरोना महामारी का सामना किया और तमाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्तमंत्री ने आर्थिक सुधारों को अपने हाथ से जाने नहीं दिया और देश की अर्थव्यवस्था अब धीरे–धीरे पटरी पर आ रही है। उन्होने कहा कि जहां दूसरे देश 5 किलो आटे के लिये दंगा कर रहे है वही आज हमारे देश के प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त आनाज बांट रहे है।

संक्षिप्त खबरे

ट्रक की चपेट में आने से मासूम की दर्दनाक मौत

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के अमिला–बोझी मार्ग पर नवकापुरा के निकट गुरुवार की सुबह लगभग 9:30 बजे बोझी की तरफ से आ रहे बाइक सवार को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें बाइक पर बैठे 6 वर्षीय रक्षक बाँसफोर की दर्दनाक मौत हो गयी। बता दे कि घोसी कोतवाली क्षेत्र के गोफा निवासी प्रेमचंद बाँसफोर अपने रिश्तेदारी में बुधवार की शाम घोसी कोतवाली क्षेत्र के सोहड़ गाँव मे एक तिलक परिवार में सह परिवार गए थे गुरुवार की सुबह लगभग 9:30 बजे प्रेमचंद बाँसफोर के छोटे पुत्र गोविंद के साथ पोता रक्षक भी बाइक से अपने घर गोफा जा रहे थे कि पीछे से आ रही ट्रक यूपी 65 एलटी 4741 की चपेट में आने से रक्षक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। सूचना पर पहुँचे अमिला चौकी प्रभारी शव को कब्जे में लेकर घोसी कोतवाली लाया तो वही कुछ ही देर पुलिस द्वारा ट्रक को भी कब्जे में लेकर घोसी कोतवाली लाया गया। मृतक रक्षक के दादा प्रेमचंद बाँसफोर की तहरीर पर घोसी कोतवाली पुलिस ने उक्त वाहन चालक के खिलाफ सम्बंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

एक पिकअप वाहन से तीन राशि मवेशी बरामद, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। गुरुवार को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान ढेकुलिया घाट पुल के पास से एक पिकअप वाहन (यूपी 54 टी 4788) में क्रूरतापूर्वक लाद कर वध हेतु ले जायी जा रही तीन राशि मवेशी (भैस) तथा दो अदद लोहे का चापड़ बरामद कर अभियुक्तगण सुनील राजभर पुत्र अवधेश राजभर निवासी कोल्हाण थाना दक्षिणटोला, मो0 दानिश पुत्र उवैदुल रहमान, मो0 अल्तमस पुत्र परवेज अहमद निवासीगण पठानटोला थाना कोतवाली जनपद मऊ को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 43,23 धारा 11(1)डी पशुक्रूरता अधिनियम व बरामद अवैध चाकूओं के सम्बन्ध में आयुद्ध अधिनिमय का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया तथा बरामद पिकअप वाहन को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट सीज किया गया।

लावड़ में गरजा प्रशासन का बुलडोजर, तालाब से हटाया अवैध कब्जा

मेरठ। मेरठ के लावड़ जमालपुर गांव में तालाब की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर बनाए गए कमरों पर प्रशासन का महाबली गरजा। कई बार नोटिस देने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया।सरधना तहसील के नायाब तहसीलदार जतिन गोस्वामी ने बताया कि जमालपुर गांव में सरकारी तालाब पर कुछ कब्जाधारियों ने सालों से कब्जा किया हुआ था। सभी को तहसीलदार न्यायालय से बेदखली के आदेश थे।जुलाई 2022 में कब्जा मुक्त कराया था। जिसके, बाद फिर से कब्जा हुआ तो चेतावनी देकर कब्जा हटाने के लिए कह दिया गया था। लेकिन, कब्जाधारी नही माने। जिसके बाद लगभग तीन पक्के कमरों का निर्माण किया और पशु बांधे जाने लगे।गुरुवार को सरधना तहसील की टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची। प्रशासन के बुल्डोजर ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करते हुए सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया। कब्जाधारियों ने विरोध किया, लेकिन पुलिस के सामने उनकी एक नहीं चली। चेतावनी दी कि यदि दोबारा कब्जा किया तो कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

मुख्यालय से सटे सात चेकडैम खुद प्यासे, योजना पर बहा रहे आंसू

चित्रकूट। करोड़ों रुपये की लागत से सिद्धपुर और कोलगदहिया गांव में बनें सात चेकडैम बेकार साबित हो रहे हैं। इन चेकडैमों को वर्षा जल संचय को बनाया गया था, लेकिन यह सभी सूखे पड़े हैं। जीव–जंतुओं की प्यास बुझाने वाले सातों चेकडैम खुद प्यास से बेहाल हैं और सरकारी योजनाओं पर आंसू बहा रहे हैं।गुरुवार को बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि मुख्यालय से सटे दोनों ग्राम पंचायतों में इन चेकडैमों के आसपास खुदाई और चेकडैमों की मरम्मत कराए जाने की सख्त जरूरत है। गर्मी के दिनों में पहाड किनारे बने यह चेकडैम जानवरों और पशु–पक्षियों के लिए बड़े सहारे सिद्ध होते थे। इन्हीं से जानवर अपनी प्यास बुझाते थे, लेकिन अब यह चेकडैम सूखे पड़े हैं। गर्मी अभी दूर है, लेकिन चेकडैम पानी संचय करने की क्षमता खो चुके हैं। सिद्धपुर गांव में तीन और कोलगदहिया में चार ऐसे चेकडैम हैं। जिनके आसपास बड़े एरिया में खुदाई, सफाई और मरम्मत की जरूरत है। चेकडैम निर्माण करने वाले विभाग को अब इनकी सुध नहीं है। कम लागत में सात चेकडैम फिर से पानीदार हो सकते हैं। बुंदेली सेना ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायतों में पहाड किनारे नालों में बने इन चेकडैमों को पानीदार बनाया जाये।

बुर्जी में लगी आग से भूसा जलकर राख

मथुरा। बुधवार की रात्रि थाना मगोर्रा के गांव नगला अड्डा के पास अज्ञात व्यक्ति ने एक किसान की भूसे की बुर्जी में आग लगा दी। इससे बुर्जी में रखा कई मन भूसा जलकर राख हो गया। पीड़ित किसान ने थाना मगोर्रा में तहरीर दी। बुधवार की रात्रि करीब ढाई बजे किसान उदयवीर सिंह के खेत पर बनी भूसे की बुर्जी में अचानक आग लग गई । खेतों पर रखवारी कर रहे लोगों ने देखा तो उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया बमुश्किल आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक बुर्जी में रखा भूस जलकर राख हो गया। इस बारे में किसान उदयवीर सिंह ने बताया कि थाना मगोर्रा में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आग लगाए जाने की तहरीर दी है।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

मथुरा । समीपवर्ती ग्राम धौरेरा में गुरुवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के ही कुछ लोगों ने जंगलों में एक व्यक्ति के शव को पेड़ से लटका दिखा। जिसका सूचना पुलिस कंट्रोल रूम पर दी गई।

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022–2023 का विमोचन किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। श्री परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया।

दहेज हत्या में महिला समेत तीन दबोचे

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर पहाडी थाना पुलिस ने दहेज हत्या के वांछित एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।गुरुवार को पहाडी थानाध्यक्ष राम सिंह की अगुवाई में दरोगा रविकान्त राय, दरोगा शिवशरण तिवारी, सिपाही अजय कुमार, जयप्रकाश व महिला सिपाही रेखा भारती ने थाना क्षेत्र के नांदी गांव जाकर दहेज हत्या में वांछित महेश सिंह पुत्र स्व विरजीवनलाल, ननकी देवी पत्नी महेश सिंह तथा जगदीश सिंह पुत्र महेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसी क्रम में सरधुआ थाने के थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह की अगुवाई में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी ने जितेन्द्र पुत्र फूलचन्द्र निवासी ब्योहरा के कब्जे से बीस लीटर महुआ शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम में चालान किया है।

पानी के टैंकर ने बाइक सवार मजदूरों को कुचला

मेरठ। मेरठ में हुए दो अलग–अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए। मेरठ के बागपत मार्ग में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार कार बरातियों में घुस गई और कई लोगों को कुचल डाला। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन से ज्यादा घायल हो गए। वहीं किठौर में पानी के टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार दो मजदूरों की मौत हो गई। वहीं हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाबुझाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए।जानकारी के अनुसार मेरठ में बागपत मार्ग पर गांव वाफर में स्थित मंडप के सामने एक कार ने बरातियों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं।

दिव्यांगो को सामजिक सुरक्षा प्रदान करने में प्रयागराज जिले ने दर्ज की बढ़त

प्रयागराज । दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किये गए प्रयासों में प्रयागराज जिले की स्थिति पहले से तेजी से बेहतर हो रही है। दिव्यांगों के भरण पोषण कल्याण के लिए शुरू की गई दिव्यांग भरण– पोषण अनुदान योजना में प्रयागराज अग्रणी है। प्रयागराज जिले में मौजूदा वित्तीय वर्ष में दिव्यांग भरण–पोषण अनुदान योजना में आच्छादित दिव्यांग जनों की संख्या अब तक की सबसे अधिक स्तर तक पहुच गई है। प्रयागराज के जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी नन्द किशोर याज्ञिक द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक दिव्यांग भरण–पोषण अनुदान योजना के तहत इस वर्ष 29,159 दिव्यांग जन इससे लाभांवित हुए हैं जो अब तक की जिले में लाभार्थियों की सबसे बड़ी संख्या है। पिछले वित्तीय वर्ष में जनपद में 27,709 दिव्यांग जन इसका लाभ पा रहे थे लेकिन इस साल 1448 लाभार्थियों की बढ़ोत्तरी के साथ लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 29,159 पहुच गई है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बताते हैं कि इस योजना के दायरे में ऐसे दिव्यांग आते हैं जिनमे 40 फीसदी से अधिक दिव्यांगता हो। पात्रता के लिए यह भी आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांग की सालाना आय 46,090 रुपये और शहरी क्षेत्र के लिए 56,460 से अधिक न हो। आवेदक विभाग के पोर्टल में इसके लिए आवेदन कर सकता है जिसके सत्यापन के बाद उसे इस पेंशन योजना के तहत 1000 रुपए की मासिक की पेंशन मिलना शुरू हो जाता है।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दिव्यांग जनों के कल्याण के लिए तत्परता से प्रयास किये हैं. उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी संभालते ही सरकार ने मई 2017 में दिव्यांग भरण पोषण योजना की मासिक अनुदान राशि को 300 से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया। इसके बाद दुबारा इस राशि को बढाकर 1000 रुपये कर दिया गयाः सरकार अब इसे बढ़ाकर 1500 रूपये करने जा रही है।

जनपद के 51 बच्चों को दी गयी सुपर हीरो किट

प्रयागराज । एस०आर०एस० 2019 के अनुसार प्रदेश में 5 वर्ष तक के शिशुओं की मृत्यु दर 48 1000 जीवित जन्म है. जबकि देश की 34, 1000 जन्म है। एस०डी०जी० गोल के अनुसार वर्ष 2025 तक इसे 25 किया जाना है। बच्चों में मृत्युदर एवं सग्णता कम करने हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत 3 से 5 वर्ष के बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए शासन द्वारा पहल की गई है, बच्चों को कुपोषण से मुक्त रखने के लिए आईएपी द्वारा 12 जनपदों को चयनित करते हुए बच्चों को सुपर हीरो किट, देने के निर्णय लिए गये। यह जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह ने दी।

इसी क्रम में वृहस्पतिवार को विकास भवन मीटिंग हाल में बच्चों को सुपर हीरो किट इंडियन अकादमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा वितरित की गई। जिसमे यूनिसेफ द्वारा सहयोग किया गया। इस मौके पर आईएपी से डॉ रितु गुप्ता, संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य डॉ वी के मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आशु पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह व यूनिसेफ के देव कान्त शर्मा द्वारा बच्चों को सुपर हीरो किट एवं फूड देकर पोषण स्वास्थ्य स्वच्छता सम्बन्धी जानकारी दी।संयुक्त निर्देशक स्वास्थ्य डॉ वी के मिश्रा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है, इन्हें स्वस्थ्य रखने की ना जिम्मेदारी हम सभी की है।

इनके पोषण का ध्यान रखने के लिए हर स्तर पर हमे देखना होगा बच्चो को पौष्टिक भोजन जिससे उनके मन और शरीर पूरी तरह से विकसित हो और वो स्वस्थ रहे।इस अवसर पर को–ऑर्डीनेटर यूनीसेफ, बाल विकास परियोजना अधिकारी ओम प्रकाश यादव , बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में कार्यरत समस्त मुख्य सेविका ऑगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिका, अन्य कर्मचारियों एवं लाभार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रशासन ने नकल विहीन परीक्षा को लेकर कसी कमर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में परिषदीय परीक्षा–2023 (हाईस्कूलध्इण्टरमीडिएट) को सकुशल, नकल विहीन, निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए सभी सुपर जोनल, जोनल, सेक्टर, केन्द्र व्यवस्थापकों और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों के साथ सेंट एंथोनी गर्ल्स इण्टर कालेज में बैठक का आयोजन किया गया। परिषदीय परीक्षा–2023 (हाईस्कूलध्इण्टरमीडिएट) को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत जनपद के सभी 328 परीक्षा केन्द्रों को 25 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। परीक्षा की सुचिता के लिए अपर जिलाधिकारी स्तर के 03 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, एसडीएम स्तर के 08 जोनल मजिस्ट्रेट एवं खण्ड विकास अधिकारी, तहसीलदार सहित 25 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा सभी परीक्षा केन्द्रों पर 01–01 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक लगाये गये है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के

अनुरूप जनपद में नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन कटिबद्ध है। सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। शासनादेश में दिये गये निर्देशों का अक्षरशः पालन करना सभी के लिए अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी परीक्षा केन्द्रों की मानीटरिंग की जायेगी। किसी भी स्तर पर किसी के द्वारा किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर पुलिस कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम को निर्धारित मानकों के अन्तर्गत यदि नहीं मिला तो केन्द्र व्यवस्थापक एवं प्रधानाचार्य सहित सम्बंधित के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

बैठक में पुलिस विभाग की ओर से ए0डी0सी0पी0 (अपराध) ने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों सहित आवश्यक पुलिस बल की तैनाती एवं प्रबंध किया गया है। पुलिस परीक्षा कार्य में लगे सभी अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों की सुरक्षा के प्रति सर्तक है।

शास्वत यौगिक खेती एवं प्राकृतिक खेती पर विस्तृत चर्चा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । अखिल भारतीय सरदार पटेल सेवा संस्थान आलोपीबांग परिसर में गुरूवार को 09 दिवसीय विराट किसान मेला 2023 के द्वितीय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कीं अध्यक्षता राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी मनोरमा दीदी द्वारा की गयी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रह्मा कुमारी रेनू दीदी, ब्रह्मा कुमार सतीश भाई, उप कृषि निदेशक, प्रयागराज, जिला कृषि अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, डा0 अजय कुमार, कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0 नैनी, डा0 मुकेश पी0एम0 कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय नैनी उपस्थित रहे। उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए शास्वत यौगिक एवं प्राकृतिक खेती के फायदे के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। प्राकृतिक खेती जो पहले हुआ करती थी उसमें जो पोषक तत्व, जीवांश कार्बन, लाभदायक जीव, मिट्टी में होते थे, उससे जो अन्न का उत्पादन होता

था उसे खाने से व्यक्ति स्वस्थ्य रहते थे। आज के समय में रसायनों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है। आज का किसान जहॉ एक ओर खेती की लागत बढ़ने, उत्पादों का उचित मूल्य न मिलने प्राकृतिक प्रकोपों तथा मौसम के असामान्य उतार चढ़ाव से परेशान होकर आत्म हत्या कर रहे है वहीं दूसरी ओर अत्याधिक रसायनिक खादों तथा कीटनाशक जहर से तैयार अनाज, फल एवं सब्जियॉ मनुष्य के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। अनेक प्रकार की बीमरियॉ और रोग बढ़ते जा रहे हैं युवा पीढ़ी खेती करना नहीं चाहती। ग्रामीण युवा लक्ष्य विहीन जीवन से परेशान होकर नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे है, उसे अपना भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। जिस खेती को उत्तम कार्य कहा जाता रहा है अब किसानों को बोझ लग रही है, लोग इसे मजबूरी का कार्य समझने लगे हैं विकास की धुरी कमजोर होने लगी है।

निवेश महाकुम्भ के लिए कुम्भ नगरी भी तैयार

प्रयागराज । योगी सरकार के निवेश महाकुम्भ के लिए प्रयागराज में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. लखनऊ में 10 फरवरी को आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सीधा प्रसारण प्रयागराज के जिलाधिकारी कार्यालय के संगम सभागार से होगा। इसमे इस निवेश से जुड़े निवेशक और सम्बंधित दूसरे विभाग के उद्यमी संगठन के लोग मौजूद रहेंगे।योगी सरकार के निवेश महा अभियान में प्रयागराज जनपद से 158 प्रोजेक्ट्स के लिए 53,021 करोड़ रूपये के निवेश के लिए निवेशकों ने अपनी सहमति दी है। डीएम प्रयागराज संजय कुमार खत्री की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक जिले से कुल 278 निवेशकों ने निवेश में अपनी सहमति दी है। इन निवेशको में 120 निवेशक लखनऊ में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हिस्सा लेने लखनऊ जायेंगे। इन 120 निवेशकों का निवेश में हिस्सा 51,908 करोड़ रूपये है।लखनऊ में 10 फरवरी को आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सीधा प्रसारण प्रयागराज में भी होगा। डीएम ऑफिस के संगम सभागार में इसके लाइव प्रसारण की व्यवस्था प्रशासन की तरफ से की गई है। इस प्रसारण में निवेशक , उद्यमी संगठन, सहयोगी विभाग के अधिकारी और एमबीए के छात्र भी हिस्सा लेंगे। संयुक्त उपायुक्त उद्योग लाल जीत सिंह के अनुसार आज तक 70 से अधिक निवेशकों की इसमें शामिल होने की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा संघ से जुड़े 15 उद्यमियों ने भी इसके लिए अपनी सहमति दे दी है। इस आयोजन में इन उद्योगों की स्थापना से सम्बंधित विभागों के 20 अधिकारी भी हिस्सा लेंगे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एमबीए के 10 छात्रों को भी इसमें आमंत्रित किया गया है। इसमें शामिल निवेशकों को यूपी डेस्टिनेशन की बुकलेट, उद्यमी –पुस्तिका और प्रदेश सरकार की निवेश नीति से जुड़े विभिन्न बिन्दुओ का संग्रह भी दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–ः संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।